नागालैंड विश्वविद्यालय

Nagaland University

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (CBCS)

हिंदी साहित्य (प्रतिष्ठा) स्नातक पाठ्यक्रम

B.A (Hon) Course in Hindi Lieterature

2019

ABILITY ENHANCEMENT ELECTIVE COURSE (AEEC): COMMON PAPER FOR BA/B.SC./B.COM./BCA/BBA/BA (VOCATIONAL) (BOTH FOR HONS AND PASS COURSES):

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
AEEC	AEEC-1	Hindi Communication	2
AEEC	AEEC-2	Environmental Study	2

COURSE CONTENT

HONOURS COURSE

CORE PAPERS (14 NOS) (6 CREDIT EACH)

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
CHIN-01	HIN/H/C-1	हिन्दी भाषा का इतिहास और लिपि Hindi Bhasha aur Lipi	6
CHIN-02	HIN/H/C-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास 1- Hindi Sahitya ka Itihas -1	6
CHIN-03	HIN/H/C-3	हिन्दी साहित्य का इतिहास 2- Hindi Sahitya ka Itihas -2	6
CHIN-04	HIN/H/C-4	हिंदी कहानी Hindi Kahani	6
CHIN-05	HIN/H/C-5	हिंदी साहित्य का इतिहास 3- Hindi Sahitya ka Itihas -3	6
CHIN-06	HIN/H/C-6	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavyashashtra	6
CHIN-07	HIN/H/C-7	हिन्दी कविता आदिकाल और मध्यकाल: Hindi Kavita : Adikal aur Madhyakal	6
CHIN-08	HIN/H/C-8	आधुनिक कविता भारतेंदु युग से छायावाद : तक Adhunik kavita Bhartendu Se Chhayvad Tak	6
CHIN-09	HIN/H/C-9	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak	6

		Hindi	
CHIN-10	HIN/H/C-10	हिन्दी उपन्यास Hindi Upanyas	6
CHIN-11	HIN/H/C-11	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Paschatya Kavyashastra	6
CHIN-12	HIN/H/C-12	आधुनिक कविता :छायावादोत्तर कविता Adhunik Kavita : Chayvadottar Kavita	6
CHIN-13	HIN/H/C-13	हिंदी आलोचना Hindi Alochana	6
CHIN-14	HIN/H/C-14	हिन्दी निबंध और अन्य विधाएं Hindi Nibandh aur anya Vidhayen	6

GENERIC ELECTIVE PAPERS (4 NOS) (6 CREDIT EACH) FOR HINDI HONS

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
GHIN-01	HIN/H/GE-1	साहित्य और सिनेमा Sahitya aur Cinema	6
GHIN-02	HIN/H/GE-2	सृजनात्मक लेखन Srijnatmak Lekhan	6
GHIN-03	HIN/H/GE-3	सोशल मीडिया और हिन्दी Social Media aur Hindi	6
GHIN-04	HIN/H/GE-4	पटकथा और संवाद लेखन Patkatha aur Samvad Lekhan	6

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (4 NOS) (6 CREDIT EACH) FOR HINDI HONS

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
DSE HIN-01	HIN/H/DSE-1	लोकसाहित्य- Lok Sahitya	6
DSE HIN-02	HIN/H/DSE-2	सृजनात्मक लेखन Srijnatmak Lekhan	6
DSE HIN-03	HIN/H/DSE-3	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य Asmitamulak Vimarsh aur Hindi Sahitya	6

DSE HIN-04	HIN/H/DSE-4	हिंदी रंगमंच Hindi Rangmanch	6

SKILL ENHANCEMENT COURSES (2 NOS) (2 CREDIT EACH) (FOR HINDI HONS)

Paper Code	Course Code	Title of the paper	Total Credit
SEC HIN-01	HIN/H/SEC-1	अनुवाद और हिन्दी साहित्य Anuvad aur Hindi Sahitya	2
SEC HIN-02	HIN/H/SEC-2	कम्प्यूटर अनुप्रयोग Computer Anuprayog	2

:Introduction

पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढाने (ऑनर्स) हिंदी **:Content** के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साहित्य की समझ के साथभाषा का ज्ञान विद्यार्थी को संवेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक संवेदन प्रदान करता है। ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व ,सजग ko जो समाज की नकारात्मक ,विवेकशील और संवेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है ,आलोचनात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सकें। साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस सन्दर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा , ,नाठक ,काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीँ कविता ,आलोचना कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिकदोनों रूपों में सक्षम बनाता है।

Learning Outcome based approach to curriculum planning

- Aims of Bachelor's degree programme in(CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी पढ़ाने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है। आज हम भूमंडलीकृत समाज के सदस्य हैं। अतः पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश विदेश के साहित्य में हो रहे-बदलाव से परिचित कराना भी है और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा। हिंदी साहित्य की नयी समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल संबंधों की पहचान कराना भी हैजिससे विद्या ,र्थी देशराष्ट्र और विश्व के साथ ,समाज , लेखन और -बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके।

Graduate Attributes in Subject

- Disciplinary Knowledge

Content: भाषा ,समाजविज्ञान ,विश्लेषण द्वारा इतिहास-साहित्य और संस्कृति के अध्ययन , भाषा विज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा। ,दर्शन ,मनोविज्ञान

GraduateAttributes in Subject

- Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Critical Thinking

Content: अंतरअनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक - विकसित होगा।

Graduate Attributes in Subject

- Problem Solving

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। साहित्यिक कृतियों में उपस्थित संभावनाओं के माध्यम से जीवन से सम्बंधित समस्याओं का हल निकालने से सहायता मिलती है।

Graduate Attributes in Subject

- Research related Skills

Content: भाषासमाज और संस्कृतिपरक अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में शोध सम्बन्धी ,साहित्य , क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Reflective Thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथसाथ समाज - और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है।

Graduate Attributes in Subject

- Moral and Ethical Awareness/Reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है।

Graduate Attributes in Subject

- Multicultural Competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहुसांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।-

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in Course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढने-:पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखनेसिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से - अब तक के बदलतेरूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।-

3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैइससे सम्बंधित , परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
4. छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।
5. व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषाकंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से ,अनुवाद , जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके।
6. हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।
7. साहित्य के सौन्दर्यकला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना। ,
8. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविताकहानी , और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।
9. साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके।
10. साहित्यिक विवेक का निर्माण।

Teaching Learning Progress

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है। छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढ़ंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके। इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है-:

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
4. साहित्यिकता की समझ देना
5. प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
6. कक्षाओं में पठनपाठन पद्धति-
7. लिखित परीक्षा
8. आतंरिक मूल्याङ्कन
9. शोधसर्वेक्षण-
10. वादविवाद-
11. कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान

12. दृश्यश्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना-
13. काव्य वाचनपठन और आलोचनात्मक मूल्याङ्कन ,
14. कथा पाठ और वाचन में अंतर समझना
15. आलोचनात्मक मूल्याङ्कन पर बल

Assessment Methods

Content:

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्याङ्कन।
2. भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
3. विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्याङ्कन
4. पी 0.टी.पी.बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना। इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा।
5. भाव विश्लेषण के लिए विद्या आधारित प्रश्नोत्तरी का मूल्याङ्कन करना।
6. पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययनअध्-यापन।
7. समूहपरिचर्चा-

सेमेस्टर1-	
हिंदी कोर प्रश्नपत्र1.1 -	हिन्दी भाषा का इतिहास और लिपि
हिंदी कोर प्रश्नपत्र1. -2	हिन्दी साहित्य का इतिहास 1-
सेमेस्टर-2	
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -21.	हिन्दी साहित्य का इतिहास 2-
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -2.2	हिंदी कहानी
सेमेस्टर-3	
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -31.	हिंदी साहित्य का इतिहास 3-
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -3.2	भारतीय काव्यशास्त्र
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -3.3	हिन्दी कविता आदिकाल और मध्यकाल:
सेमेस्टर-4	
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -41.	आधुनिक कविता भारतेंदु युग से छायावाद :तक
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -4.2	प्रयोजनमूलक हिंदी
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -4.3	हिन्दी उपन्यास
सेमेस्टर-5	
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -51.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -5.2	आधुनिक कविता :छायावादोत्तर कविता
सेमेस्टर-6	
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -61.	हिंदी आलोचना
हिंदी कोर प्रश्नपत्र -6.2	हिन्दी निबंध और अन्य विधाएं

पाठ्यक्रम 1.1-:हिन्दी भाषा का इतिहास और लिपि क्रेडिट-:6

:Course Objective

हिंदीप्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा (विशेष) और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदीको पढने वाले विद्यार्थियों के लिए (विशेष) पाठ्यक्रम के आरम्भ में ही हिंदी भाषा सम्बन्धी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण के युग में प्रवेश कर लिया है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमायें लांघ दी हैं। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाजारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा। क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है।

:Outcomes Course Learning

:प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे

1. उपयुर्क्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथसाथ व्यावहारिक रूप - का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा।
2. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
3. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथसाथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः यह - पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के भी अनुकूल है।
4. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरम्भ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरम्भ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
5. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत आवश्यक हैयह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी , प्रस्तुत करता है।

इकाई -1 . हिन्दी भाषा का विकास की पूर्वपीठिका

प्रमुख भाषा परिवार और हिन्दी

हिन्दी का प्रारंभिक रूप

अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी

इकाई.2-हिन्दी की प्रमुख विभाषाएं और बोलियाँ

विभाषा राजस्थानी हिन्दी और पहाड़ी,बिहारी हिन्दी,पश्चिमी हिन्दी,पूर्वी हिन्दी-

प्रमुख बोलियाँ भोजपुरी, अवधी, ब्रज-:

इकाई .3-आधुनिक युग में हिन्दी

अंग्रेजों की भाषा नीति-

खड़ीबोली आन्दोलन

राजभाषा के रूप में हिन्दी

इकाई .4-देवनागरी लिपि

देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास

देवनागरी लिपि का मानकीकरण

अनुमोदित ग्रंथः

1.	हिन्दी भाषा का इतिहास	भोलानाथ तिवारी
2.	हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
3.	पुरानी हिन्दी	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4.	भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
5.	हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह
6.	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	उदयनारायण तिवारी
7.	हिन्दी भाषा विज्ञान	किशोरीदास वाजपेयी
8.	हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9.	हिन्दी भाषा	श्यामसुंदर दास
10.	भाषा और समाज	रामविलास शर्मा

अतिरिक्त सहायक:ग्रन्थ-

1. भारतीय पुरालिपि(लोकभारती प्रकाशन)रामबली पाण्डेय .डॉ -
2. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक हनुमान प्रसाद .डॉ -शुक्ल
3. लिपि की कहानीगुणाकर मुले -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

विशेष व्याख्यान एवं आतंरिक मूल्याङ्कन सम्बन्धी गतिविधियाँ ,सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13

मूल्याङ्कन के तरीके:

1. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि आधारित परियोजना कार्य।
2. हिंदी भाषा की विभिन्न बोलियों का व्यावहारिक अध्ययन प्रस्तुत करना।
3. हिंदी भाषा की विविध बोलियों की विशेषताओं का व्यावहारिक अध्ययन।
4. चित्रलिपिऔर विश्लेषण। ध्वनिलिपि के भाषिक नमूने तैयार करना ,भाव्लिपि ,
5. लिपि के विकास की ऐतिहासिक परंपरा के नमूनों सहित विश्लेषण।

पाठ्यक्रम 1.2-:हिन्दी साहित्य का इतिहास 1- क्रेडिट -:6

:Course Objective

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

इकाई .1

साहित्येतिहास की अवधारणा

साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा

इकाई .2

हिन्दी साहित्य के इतिहास में कालविभाजन एवं नामकरण-

(रीतिकाल और आधुनिक काल के संदर्भ में,भक्तिकाल,आदिकाल)

इकाई .3

आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि

आदिकाल की प्रवृत्तियां

इकाई .4

आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और सामान्य परिचय

सिद्धसाहित्य-साहित्य और रासो-जैन,साहित्य-नाथ, साहित्य-

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं अवधेश प्रधान
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास संनगेन्द्र .
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा
9. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि महेन्द्रपाल शर्मा
11. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास रामकुमार वर्मा
12. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास गणपतिचन्द्र गुप्त
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास विश्वनाथ त्रिपाठी

.14 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह

.15 भक्ति जीवन शिवकुमार मिश्र-काव्य और लोक-

सहायक अनुमोदित ग्रंथ :

1. मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोधमुकेश गर्ग -
2. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार -गोपेश्वर सिंह(.सं)
3. हिन्दी साहित्य का अतीतआचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र -
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकासरामस्वरूप चतुर्वेदी -
5. हिन्दी साहित्यआचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -उद्भव और विकास :
6. हिन्दी साहित्य का इतिहासनगेन्द्र .डॉ -
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. साहित्य का इतिहास दर्शननलिन विलोचन शर्मा -
9. साहित्य और इतिहास दृष्टिमैनेजर पाण्डेय -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

-सप्ताह 12 से 10इकाई4-

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके :टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र2-:

पाठ्क्रम 2.1-: **2 – हिन्दी साहित्य का इतिहासक्रेडिट -:6**

इकाई .1भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि(आर्थिक और धार्मिक, सामाजिक,राजनीतिक)

भक्ति आन्दोलन के उद्भव के कारण

भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई .2निर्गुण काव्यधारा

संतकाव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

संतकाव्य की प्रवृत्तियां

सूफी काव्य परम्परा का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई .3सगुण काव्यधारा

रामभक्ति काव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

रामकाव्य की विशेषताएं

कृष्णकाव्य काव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

कृष्णकाव्य की विशेषताएं

इकाई .4रीतिकाल

राजनी) रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमितिक आर्थिक और धार्मिक, सामाजिक,

नामकरण की समस्या

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ

रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां

अनुमोदित ग्रंथः

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
3.	हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं	अवधेश प्रधान
4.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारी प्रसाद द्विवेदी
5.	हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	नगेन्द्र .सं
7.	हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
8.	साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
9.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि	महेन्द्रपाल शर्मा
10.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
11.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
12.	हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी
.14	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
.15	भक्ति जीवन-काव्य और लोक-	शिवकुमार मिश्र

पाठ्यक्रम 2.2. हिंदी कहानी क्रेडिट -:6

Course Objective:

- हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
- कहानी विश्लेषण की समझ
- कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विश्लेषण
- प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी कथा साहित्य का परिचय
- कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
- प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

इकाई .1कहानी का विकास

(1) स्वतंत्रता पूर्व कहानी

(2) स्वतान्त्र्योतर कहानी

इकाई .2

(1) चंद्रधर शर्मा गुलेरी उसने कहा था -:

(2) प्रेमचंद कफ़न -:

(3) रेणु तीसरी कसम -:

इकाई .3

डिप्टी कलक्टरी -: कमलेश्वर(१)

चीफ की दावत -:भीष्म साहनी(२)

यही सच है-: मन्नू भंडारी (3)

इकाई : 4

पिता : ज्ञान रंजन (१)

घुसपैठिये : ओमप्रकाश वाल्मीकि (२)

बाघ: संजीव (3)

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

1.	कहानी: नयी कहानी	नामवर सिंह
2.	आज की हिन्दी कहानी	विजय मोहन सिंह
3.	नई कहानी :संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
4.	कुछ कहानियाँ : कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
5.	कहानी : समकालीन चुनौतियाँ	शम्भू गुप्त
6.	हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश	मधुरेश
7.	समकालीन कहानी का रचना विधान	गंगाप्रसाद विमल
8.	हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
9.	समकालीन हिन्दी कहानी	पुष्पपाल सिंह
10.	कहानी समय	कृष्णमोहन

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफगुलेरी -, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
2. कहानी का लोकतंत्रपल्लव -
3. पत्रिकाएँपहल -, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
4. ईहिन्दी समय -पत्रिका -, गद्य कोश

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

इक -सप्ताह 9 से 7ाई 3

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके:

ठेस्ठ, असाइनमेंठ

सत्र 3.

पाठ्यक्रम:-3.1 हिंदी साहित्य का इतिहास -3 **क्रेडिठ-:6**

Course Objective:

- साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
- साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
- साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course Learning Outcomes:

- विकास के क्रम में साहित्य के जरिये समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
- साहित्येतिहास के अध्ययन का प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथसाथ - समाज के विकास को भी चिन्हित करना है।
- साहित्येतिहास के बिना साहित्यविवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं है। अतः - वेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।वि-साहित्य

इकाई -:1आधुनिक काल

आधुनिकता की अवधारणा

हिंदी नवजागरण अवधारणा एवं विकास :

इकाई भारतेंदु -:2युग एवं द्विवेदी युग की प्रवृत्तियां प्रमुख कवि एवं कृतियाँ,

इकाई -:3 छायावाद की प्रवृत्तियां प्रमुख कवि एवं कृतियाँ,

इकाई -:4 प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की प्रवृत्तियां ,
नई कविता और समकालीन कविता की प्रवृत्तियां

अनुमोदित ग्रंथः

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास		रामचंद्र शुक्ल
2.	आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ		नामवर सिंह
3.	छायावाद		नामवर सिंह
4.	कविता के नए प्रतिमान		नामवर सिंह
5.	नई कविता का आत्मसंघर्ष		मुक्तिबोध
6.	हिन्दी साहित्य का इतिहास		नगेंद्र.डॉ .सं
7.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास		राम स्वरूप चतुर्वेदी
8.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास		बच्चन सिंह
9.	लम्बी कविताओं का रचना	-: विधान-	नरेन्द्र मोहन (संपादन)
10.	फिलहाल		अशोक वाजपेयी
11.	निराला की साहित्य साधना		रामविलास शर्मा
12.	कामायनी	एक पुनर्विचार:	मुक्तिबोध
13.	सुमित्रानंदन पन्त		डॉनगेन्द्र.
14.	महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा		इंद्रनाथ मदान
15.	नई कविता के अंक		जगदीश गुप्त (संपादक)

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. शिवसिंह सरोजशिवसिंह सेंगर -
2. हिन्दी नवरत्न -मिश्र बंधु
3. हिन्दी साहित्य का इतिहासआचार्य रामचंद्र शुक्ल -
4. समकालीन हिन्दी कविताविश्वनाथ प्रसाद तिवारी -
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास(.सं)नगेंद्र .डॉ -
6. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहासविश्वनाथ त्रिपाठी -
7. हिन्दी नाटक(.सं)रमेश गौतम -नयी परख :
8. कथेतरमाधव हाड़ा -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

अध्यापन। -कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहता से अध्ययन

परिचर्चायेँ-समूह

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके:

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंठ के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन

सामूहिक प्रोजेक्ठ के द्वारा मूल्यांकन

सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

पाठ्यक्रम 3.2-: भारतीय काव्यशास्त्र क्रेडिठ -:6

Course Objective:

- भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी।
- आधुनिक हिन्दी आलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र का प्रदेय।

Course Learning Outcomes:

- संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा

इकाई .1

भारतीय साहित्य सिद्धांत विभिन्न सम्प्रदायों का सामान्य परिचय :

.2 इकाई रस संप्रदाय-

रस की परिभाषा

रस का स्वरूप रस के अवयव और रस के प्रकार,

रस निष्पत्ति और उसके प्रमुख व्याख्याकार, रस सूत्र

साधारणीकरण

इकाई .3 काव्य लक्षण एवं हेतु-

काव्य का अर्थ और काव्य के लक्षण

काव्यहेतु-,काव्य प्रयोजन

इकाई .4 काव्यअलंकार और छंद , शक्ति-शब्द , प्रयोजन-

अनुमोदित ग्रंथ-:

1. काव्यशास्त्र की भूमिका डॉनगेन्द्र .
2. भारतीय काव्यशास्त्र चौधरी सत्यदेव
3. साहित्य चिंतन देवेन्द्र इस्सर
4. साहित्य सिद्धांत रेनेवेलेकऑस्टिन वारेन ,
5. रससिद्धांत का पुनर्विवेचन- डॉगणपतिचंद्र गुप्त .
6. भारतीय साहित्यशास्त्र बलदेव उपाध्याय
7. संरचनावाद्उत्,तर गसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र गोपीचंद नारं -
8. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन सत्यदेव चौधरी एवं शांतिस्वरूप चौधरी :
9. काव्यशास्त्र भागीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र गणपति चन्द्र गुप्त

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. काव्य के तत्वदेवेन्द्रनाथ शर्मा -
2. काव्यशास्त्रभागीरथ मिश्र -
3. साधरणिकरण और कवयसवाद्राजेंद्र गौतम -
4. साहित्य का स्वरूपनित्यानन्द तिवारी -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम-:3.3 हिंदी कविता 6-:क्रेडिट आदिकाल और मध्यकाल :

Course Objectives:

- हिन्दी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
- आदिकाल के दो प्रमुख कवियों अमीर खुसरो और -विद्यापति की विशिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- भक्तिकाल के अंतर्गतसंतकाव्य -, प्रेमाख्यानक काव्य, रामकाव्य और कृष्णकाव्य के प्रमुख कवियोंकबीर -, मंझन, तुलसीदास और सूरदास का अध्ययन करना और हिन्दी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।
- भक्तिकाल में मीरा का महत्वपूर्ण स्थान है। युगीन संदर्भों में उनका काव्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है। स्त्रीकाव्य विशिष्ट है।-विमर्श की दृष्टि से भी मीरा-

Course Learning Outcomes:

- आदिकाल के परिवेशराजनीतिक -, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भलीभांति - परिचित हो सकेंगे।
- आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
- भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
- भक्तिकालीन साहित्य में सामानती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है।

इकाई) .1२ विद्यापति और खुसरो ,गोरखनाथ (

निर्धारित पाठ गोरखनाथ सबदी संख्या ४ से १:

आदिकालीन काव्य संपादक: वासुदेव सिंह वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,

विद्यापति (संपादक आचार्य श्री राम लोचन शरण) पदावली :

वंदना 1 :राधा की वंदना ,(35) श्रीकृष्ण का प्रेम ,राधा का प्रेम (36)

अमीर खुसरो (परमानंद पंचाल) व्यक्तित्व एवं कृतित्व :

कव्वाली ,(१)गीत (१ 3) ,(४)

इकाई .2

कबीर दास और जायसी

कबीर : पद

१ हमारे गुर दीन्हीं अजब जरी.

२ दुलहिनी गावहु मंगलाचार.

3संतो ई मुरदन कै गाऊं.

४ हम न मरै मरिहैं संसारा.

जायसी (रामचंद्र शुक्ल-: संपादक,जायसी ग्रंथावली, मानसरोदर खंड) :

इकाई 3 : सूरदास और तुलसीदास

सूरदास : पद

१अविगत गति कछु कहत न आवै.

२ बूझत स्याम कौन तू गोरी.

तुलसीदास (रामचरितमानस) अयोध्या कांड:

चलत पयादें खात फल छंद संख्या) तक... से लेकर राम सैल सोभा निरखि....222 से (226

इकाई .4 : बिहारी और घनान्द

बिहारी ,१- छंद संख्या ,वाराणसी ,शिवाला ,श्री जगरनाथदस रत्नाकर : बिहारी रत्नाकर : 388 ,347 ,103,143

घनानंद ग्रंथावली वाराणसी ,वितांग-वाणी ,विश्वनाथ प्रसाद मिश्र .सं :

सुजान हित ५४ ,४९ ,३८ ,१८ ,१ : पद संख्या ,

अनुमोदित ग्रंथ-:

.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
1.	आदिकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
2.	हिन्दी काव्यधारा	राहुल सांकृत्यायन
3.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य	शम्भुनाथ पाण्डेय
4.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
5.	हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं	अवधेश प्रधान
6.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारी प्रसाद द्विवेदी
7.	हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	नगेन्द्र .सं
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
10.	साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
11.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
12.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
.15	भक्ति जीवन-काव्य और लोक-	शिवकुमार मिश्र
.16	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	हजारी प्रसाद दिवेद्वी

17. सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
18. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पाण्डेय
19. तुलसी	रामचन्द्र शुक्ल
20. तुलसी	उदयभानु सिंह
21. कबीर	हजारीप्रसाद द्विवेद्वी
22. जायसी	विजयदेव नारायण साही
23. जायसी	सदानंद साही .सं
24. पद्मावत का मूल्यांकन	डॉ,जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव . डॉहरेन्द्र प्रताप सिन्हा .
25सूफी मतः साधना और साहित्य .	रामपूजन तिवारी
26हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति .	श्यामसुंदर शुक्ल
27 अकथ कहानी प्रेम की .	पुरूषोत्तम अग्रवाल

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य-	कैलाश नारायण तिवारी
2. मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्यचेतना -	पूरनचंद टंडन
3. तुलसीदास का काव्य -विवेक और मर्यादबोध-	कमलानन्द झा
4. भक्ति आंदोलन और काव्य -	गोपेश्वर सिंह

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

- निर्धारित पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन
- निर्धारित कवियों पर विचारविमर्श-
- पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना
- कवियों की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना
- तत्कालीन परिस्थितियों में कवियों का विश्लेषण

1से 1 इकाई -सप्ताह 3

4से 2 इकाई -सप्ताह 6

7से 3 इकाई -सप्ताह 9

10से 4 इकाई -सप्ताह 12

13से सप्ताह सामूहिक चर्चा 14, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

सत्र4.

पाठ्यक्रम .4.1-: आधुनिक कविता -: भारतेंदु युग से छायावाद तक क्रेडिट:6

Course Objective:

- आधुनिक कविता से परिचय
- रचनाप्रक्रिया और विश्लेषण-
- प्रमुख कवि और उनकी समस्याओं का अध्ययन

Course Learning Outcomes:

- आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी
- साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण
- कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी

इकाई १भारतेंदु हरिश्चंद्र .

प्रेम सरोवर

नए ज़माने की मुकरी

हिन्दी उन्नति पर व्याख्यान

इकाई . 2मैथिली शरण गुप्त

शिक्षा की अवस्था

सखि वे मुझसे कह कर जाते,

इकाई .3छायावाद 1-

) 1 जयशंकर प्रसाद.(

ले चल वहां भुलावा देकर

) 2"निराला" सूर्यकांत त्रिपाठी.(

जूही की कली

इकाई .4

सुमित्रानंदन पन्त.(1)

नौका विहार

महादेवी वर्मा.(2)

पंथ होने दो अपरिचित

अनुमोदित ग्रंथ-:

-: भारतेंदु हरिश्चंद और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं.1	रामविलास शर्मा
.2कविता से साक्षात्कार -:	मलयज
-: विधान-लम्बी कविताओं का रचना.3	नरेन्द्र मोहन (संपादन)
-: एक अध्ययन: साकेत.4	डॉनगेन्द्र.
-: निराला की साहित्य साधना.5	रामविलास शर्मा
-: एक पुनर्विचार: कामायनी.6	मुक्तिबोध
-: सुमित्रानंदन पन्त.7	डॉनगेन्द्र.
कव.8ि सुमित्रानंदन पन्त-:	नंददुलारे वाजपेयी
-:महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा .9	इंद्रनाथ मदान
-: प्रसाद और गुप्त,पन्त .10	रामधारी सिंह दिनकर
-: महादेवी .11	दूधनाथ सिंह

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. मोनोग्राफभारतेन्दु -, मैथिलीशरण गुप्त, निराला, प्रसाद, दिनकर, सुभद्राकुमारी चौहान
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्सरसाल सिंह .डॉ -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कवितावाचन-

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक च 14 से 13र्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

ठेस्ठ, असाइनमेंठ

पाठ्यक्रम-: प्रयोजनमूलक हिंदी **क्रेडिठ-4.2 .6**

इकाई .1

प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और परिव्याप्ति एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र

इकाई .2प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम

कार्यालयी हिंदी

विज्ञापन की हिंदी

राजभाषा हिंदी

वाणिज्यिक हिंदी

इकाई .3

कार्यालयी हिन्दी के अनुप्रयुक्ति क्षेत्र लेखन एवं उसके प्रकार-पत्र -:

प्रारूप परिपत्र, प्रतिवेदन, टिप्पण,लेखन -

इकाई .4जनसंचार माध्यम

जनसंचार : अभिप्राय और महत्व

जनसंचार लेखन के विविध रूप

जनसंचार लेखन की भाषा

अनुमोदित ग्रंथ:

.1प्रयोजन मूलक हिन्दी	ढंगल झाल्टे
.2हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
.3पुरानी हिन्दी	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
.4भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
.5हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह

पाठ्यक्रम 4.3:हिन्दी उपन्यास **क्रेडिट 4-:**

Course Objective:

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी
- प्रमुख साहित्यकार और उनके उपन्यासों की चर्चा
- कथा साहित्य विश्लेषण पद्धति

Course Learning Outcomes:

- उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति
- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय

इकाई .1हिंदी उपन्यास उद्भव एवं विकास :

प्रेमचंदयुगीन उपन्यास,प्रारंभिक उपन्यास (१)

समकाल, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास (२) ीन उपन्यास

इकाई .2हिन्दी उपन्यास

गोदान-: प्रेमचंद (१)

इकाई .3हिन्दी उपन्यास

1_ भाग,शेखर एक जीवनी-: अज्ञेय (१)

इकाई .4हिन्दी उपन्यास

मैला आँचल(3)

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

.1	उपन्यास का उद्दय	आयन वॉट
.2	हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
.3	हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख	इंद्रनाथ मदान
.4	हिन्दी उपन्यास :के बाद 1950	संनिर्मला जैन .
.5	उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फॉक्स
.6	हिन्दी उपन्यास का विकास	मधुरेश
.7	उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
.8	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चंद्रकांत वांदिवड़ेकर
.9	आधुनिक हिन्दी उपन्यास	नामवर सिंह .सं
.10	हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. आस्था और सौंदर्य- रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद - सत्येंद्र(.सं)
3. सृजनशीलता का संकट - नित्यानन्द तिवारी
4. हिन्दी उपन्यास - नामवर सिंह(.सं)
5. आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पाण्डेय

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

12 से 10सप्ताह4 इकाई -

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

ठेस्ट, असाइनमेंट

सत्र.5-:

पाठ्यक्रम-: पाश्चात्य काव्यशास्त्र **क्रेडिट.5.1-:6**

Course Objective

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकर्षण विकसित करना
- साहित्यिकता की नयी समझ की ओर कदम बढ़ाना

Course Learning Outcomes

- प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतनधारा की - समझ विकसित होगी।
- नयी विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई .1

पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय(१)

)२ दृष्टि-काव्य: प्लेटो (

इकाई .2

)१ विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धांत:अरस्तू (

(२) लौंजाइनस उदात्त की अवधारणा:

इकाई .3

)१परम्परा का सिद्धान्त, निर्वौक्तिकता का सिद्धान्त: इलियट.एस.टी(

)२सिद्धान्त - सम्प्रेषण,सिद्धान्त -मूल्य: रिचर्डस.ए.आई(

इकाई .4

काव्य भाषा सम्बन्धी मान्यताएं ,कविता सम्बन्धी मान्यताएं : वर्डस्वर्थ(१)

)२ कल्पना सिद्धांत : कोलरिज(

अनुमोदित ग्रंथ:

1. नई समीक्षा के प्रतिमान — निर्मला जैन
2. साहित्य चिंतन — देवेन्द्र इस्सर
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन — निर्मला जैनकुसुम , बांठिया
4. मार्क्सवाद क्या है — यशपाल
5. आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व — एजाज अहमद
6. संरचनावाद संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र-उत्तर , — गोपीचंद नारंग
7. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन — शिवकुमार मिश्र .डॉ

8. आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद — शिवप्रसाद सिंह
9. अस्तित्ववाद और मानववाद — ज्यां पॉल सार्त्र
10. आधुनिकतावाद और साहित्य — दुर्गा प्रसाद गुप्त
11. आधुनिकतावाद — दुर्गा प्रसाद गुप्त
12. उत्तर संरचनावाद-आधुनिकता और उत्तर- — सुधीश पचौरी
13. साहित्य सिद्धांत — ऑस्टिन वारेन ,रेनेवेलेक
14. उत्तर आधुनिकता-: विभ्रम और यथार्थ — रवि श्रीवास्तव
15. आधुनिकतावाद और यथार्थवाद — दुर्गा प्रसाद गुप्त

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. आस्था के चरण - नगेंद्र
2. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
3. आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी
4. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ - रमेश गौतम

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम 5.2-: हिन्दी कविता : छायावादोत्तर कविता **क्रेडिट 6-:**

Course Objective:

पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी साहित्य के इतिहास के छायावादी कविता के बाद के समय को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना रहा है। हिन्दी विशेष को पढ़ने वालेविद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हिन्दी कविता के प्रत्येक बदलते परिदृश्य को पाठ्यक्रम के अनुक्रम में अच्छे से जान सकें। पाठ्यक्रम का यह पक्ष आधुनिक हिन्दी कविता के स्वर्ण युग माने जाने वाले छायावाद के बाद की कविता के पक्ष को उजागर करता है। इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निम्नांकित बिन्दुओं के माध्यम से जाना जा सकता है-:

1. छायावाद के बाद की कविताओं में निहित भावर्य से विद्यार्थियों को परिचित कराना।सौन्द-
2. कविता के मूल भावपक्ष को हृदयंगम करने में सक्षम बनाना।
3. कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना।
4. विद्यार्थियों को काव्य सौन्दर्य, काव्यानुभूति को समजहने, परखने योग्य बनाना।
5. कविताओं के माध्यम से युगर कराना।बोध पर विचा-
6. कविता में व्यक्त जीवन के गुणदोष इत्यादि का बोध कराना।-
7. कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।

Course Learning Outcomes:

सीखने-:सिखाने की इस प्रक्रिया में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छत्र हिन्दी कविता को काल विशेष के संदर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय को इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है।
3. छात्र कविता सीखने के साथचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे।साथ वै-
4. कविता के दोनों पक्षों, भावसौन्दर्य को जाना जा सकेगा।-सौन्दर्य और कला-
5. आज भूमंडलीकरण का युग है, हिन्दी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है।

इकाई .1

यह तुम थीं, अकाल और उसके बाद : नागार्जुन(१)

हे, जब देखा-मैंने उसको जब-: केदारनाथ अग्रवाल (२)मेरी तुम !

इकाई .2

नदी के द्वीप,दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर-: अज्ञेय (१)

मेरी काल तुझसे होड़ है , बात बोलेगी -: शमशेर(२)

इकाई .3

रोटी और संसद ,मोचीराम -: धूमिल (१)

पानी की प्रार्थना ,सुई और तागे के बीच में-: केदारनाथ सिंह (२)

इकाई .4

राजेश जोश (१)ी आदतों के बारे में ,बच्चे काम पर जा रहे हैं :

नये इलाके में ,धार : अरूण कमल (१)

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

1.	छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ	त्रिलोचन पाण्डेय
2.	कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
3.	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
4.	तारसप्तक की भूमिका	अज्ञेय
5.	नई कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा
6.	विपक्ष का कवि धूमिल	राहुल
7.	मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
8.	अज्ञेय : कवि और काव्य	राजेन्द्र प्रसाद
9.	त्रिलोचन के बारे में	संगोबिंद प्रसाद .
10.	केदारनाथ सिंह : बिंब से आख्यान तक	गोबिंद प्रसाद
11.	समकालीन कविता	विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
12.	हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
13.	आधुनिक हिन्दी साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. समकालीन और साहित्यराजेश जोशी -
2. आधुनिक कविता यात्रा रामस्वरूप चतुर्वेदी -
3. अज्ञेय साहित्यकेदार शर्मा -प्रयोग और मूल्यांकन :
4. हिन्दी नवगीतराजेंद्र गौतम -उद्भव और विकास :
5. हिन्दी नवगीतरामनारायण पटेल -युगीन संदर्भ :
6. नयी कविता और उसका मूल्यांकनसुरेशचन्द्र सहगल -
7. नयी कविता के प्रतिमानलक्ष्मीका -न्त वर्मा
8. छठवाँ दशकविजयदेव नारायण शाही -
9. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्सरसाल सिंह .डॉ -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

सीखने की इस प्रक्रिया में हिन्दी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम से विद्यार्थी बोध क ठीक से जान सकेंगे जो व-छायावाद के बाद के युगर्तमान संदर्भों के अनुकूल होगा। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिन्दी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः शिक्षण में हिन्दी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को

और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है-:

-सप्ताह 3 से 1 इकाई 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

ठेस्ट, असाइनमेंट

सत्र6.

पाठ्यक्रम .6.1:हिन्दी आलोचना 6 -क्रेडिट

Course Objective:

- आलोचना के सैद्धान्तिक और व्यावहारिक समझ विकसित करना
- रचना का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना
- रचना के गुणदोष विवेचन की क्षमता विकसित करना-
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना

Course Learning Outcomes:

- विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी
- रचना के गुणदोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे-
- रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा

इकाई .1हिंदी आलोचना का विकास भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक :

इकाई .2छायावादी युगीन आलोचना पाठ आधारित :

रामचंद्र शुक्ल काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था :

प्रेमचंद साहित्य का उद्देश्य :

प्रसाद छायावाद और यथार्थवाद :

हजारी प्रसाद द्विवेदी नई मान्यताएं : आधुनिक साहित्य :

इकाई .3हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां –

मार्क्सवाद,

मनोविश्लेषणवाद

अस्तित्ववाद

इकाई .4हिन्दी के प्रमुख आलोचक -:

नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा

नामवर सिंह मैनेजर पाण्डेय ,

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
2.	साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
3.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैनकुसुम बांठिया ,
4.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
5.	आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाज अहमद
6.	संरचनावाद संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र-उत्तर ,	गोपीचंद नारंग
7.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	शिवकुमार मिश्र .डॉ
8.	आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
9.	अस्तित्ववाद और मानववाद	ज्यां पॉल सार्त्र
10.	आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गा प्रसाद गुप्त
11.	आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
12.	उत्तर संरचनावाद-आधुनिकता और उत्तर-	सुधीश पचौरी
13.	साहित्य सिद्धांत	ऑस्टिन वारेन ,रेनेवेलेक
14.	उत्तर आधुनिकता-: विभ्रम और यथार्थ	रवि श्रीवास्तव
15.	आधुनिकतावाद और यथार्थवाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. आचार्य रामचंद्रा शुक्लहिन्दी साहित्य का इतिहास -
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीहिन्दी साहित्य की भूमिका -
3. नामवर सिंहदूसरी परंपरा की खोज -
4. निर्मल वर्माशब्द और स्मृति -
5. नेमिचन्द जैनअधूरे साक्षात्कार -
6. विजयदेवनारायण शाहीछठवाँ दशक -
7. सुरेन्द्र चौधरी प्रक्रिया और पाठ :हिन्दी कहानी -
8. कृष्णदत्त शर्मामुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि -

9. विश्वनाथ त्रिपाठीहिन्दी आलोचना -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा और चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन

3 से 1सप्ताह1 इकाई -

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

ठेस्ठ, असाइनमेंठ

पाठ्यक्रम हिन्दी निबंध और अन्य विधाएं .6.2-: क्रेडिठ -:6

Course Objective

- अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
- विश्लेषण पद्धति
- प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई समस्याओं का अवलोकन

Course Learning Outcomes:

- कथेतर साहित्य का परिचय
- विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
- प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

इकाई .1 निबंध का सामान्य परिचय और इतिहास,

सरदारपूर्ण सिंह मजदूरी और प्रेम :

विद्यानिवास मिश्र तुम चन्दन हम पानी :

इकाई .2 जीवनी और आत्मकथा का सामान्य परिचय और इतिहास

पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र अपनी खबर :

रामविलास शर्मा निराला की साहित्य साधना भाग एक से नये संघर्ष :

इकाई .3रेखाचित्र और संस्मरण का सामान्य परिचय और इतिहास

जानकी बल्लभ शास्त्री अज्ञेय के साथ :

रामवृक्ष बेनीपुरी माटी की मूरतें ग्रंथावली से ,सुभान खां :

इकाई .4 रिपोर्ताज और यात्रावृत्तान्त का सामान्य परिचय और इतिहास-

रांगेय राघव बाँध भंगे ढाओ:

राहुल सांकृतायन अथातौ घुमक्कड़ जिज्ञासा :

<u>अनुमोदित ग्रंथ:</u>

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. हिन्दी का गद्य साहित्य रामचंद्र तिवारी
3. आधुनिक साहित्य नंददुलारेवाजपेयी
4. हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास विजयेन्द्र स्नातक
5. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ कैलाशचंद भाटिया
6. आधुनिक साहित्य का इतिहास बच्चन सिंह
7. काव्य के रूप गुलाब राय
8. आधुनिक गद्य की विधाएँ उदयभानु सिंह
9. साहित्यिक विधाएँ पुनर्विचार हरिमोहन :
10. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त सूर्यनारायण द्विवेदी
11. निबंध निलय सतेन्द्र-:
12. हिन्दी साहित्यकोश भाग(संपादक) धीरेन्द्र वर्मा-:१-
13. हिन्दी निबंध और निबंधकार रामचंद्र तिवारी-:
14. निबंध और निबंध उमाकांत त्रिपाठी-:
15. हिंदी गद्य रामस्वरूप चतुर्वेदी-: विन्यास और विकास-

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

12 से 10सप्ताह4 इकाई -

सामूहिक चर्चा सप्ताह 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

.B विषय केन्द्रित (Discipline Specific Elective) क्रेडिट 6-:

.1 लोक साहित्य-

2. सृजनात्मक लेखन

3 .अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

.4हिंदी रंगमंच

पाठ्यक्रम1.B -: . **लोक साहित्य** क्रेडिट 6-:

Course Objective:

- लोक साहित्य परंपरा के अध्ययन से भारतीय लोकजीवन को करीब से जानने- का अवसर प्राप्त होगा।

Course Learning Outcomes:

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा।
- पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी।

इकाई .1लोक साहित्य की अवधारणा

परिभाषा एवं : लोक साहित्य(१) विशेषता

(२) लोक साहित्य-संस्कृति और लोक-लोक ,लोकवार्ता ,

इकाई .2लोक साहित्य के प्रकार

1) लोकगीत और लोक कथा
2) लोक नाट्य एवं लोक सुभाषित

इकाई .3लोक साहित्य के अध्ययन की परम्परा-

1) भारतीय परम्परा
2) पाश्चात्य परम्परा

इकाई .4लोक साहित्य संकलन-

प्रविधियाँ समस्याएं और समाधान, उद्देश्य,

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
2.	लोक संस्कृति की रूपरेख	कृष्णदेव उपाध्याय
3.	लोक साहित्य का अध्ययन	त्रिलोचन पाण्डेय
4.	कविता कौमुदी	रामनरेश त्रिपाठी
5.	आदि हिन्दी के गीत और कहानियां	राहुल सांस्कृत्यायन
6.	लोक साहित्य और लोक स्वर	विद्यानिवास मिश्र
7.	लोक साहित्य	श्याम परमार
8.	लोक साहित्य की भूमिका	रवीन्द्र भ्रमर .प्रो
9.	लोक संस्कृति और राष्ट्रवाद	बद्रीनारायण

अतिरिक्त सहायकग्रंथ-

1. हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देनहरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन -
2. मध्यचौमासा-कला आदमी की पत्रिका-प्रदेश लोक-
3. चीनीअनिल राय -कथाएँ-लोक-

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 इकाई -सप्ताह 3 से 1

2 इकाई -सप्ताह 6 से 4

3 इकाई -सप्ताह 9 से 7

4 इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक सीएचएआरसीएचए 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम.2.B -: सृजनात्मक लेखन क्रेडिट 6-:

Course Objective:

विद्यार्थियों में सृजनात्मक कौशल का विकास करना।

Course Learning Outcomes:

- सृजनात्मकता का विकास
- विभिन्न क्षेत्रों जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, लेखन एवं कला के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक

इकाई .1रचनात्मकता की अवधारणा

तत्व ,विविध रूप ,रचनात्मकता का अभिप्राय(१)

)१रचनात्मकता को प्रभावित करने वाले कारक (

इकाई .2रचनात्मकता और भाषा :

1. भाषा की रचनात्मकता , भाषा का सौन्दर्य ,भाषिक अभिव्यक्ति की शैलियाँ

इकाई .3रचनात्मकता के विविध रूप

,फीचर लेखन ,साक्षात्कार

स्तम्भ लेखन रेडियो वार्ता ,

नाटक दृश्य लेखन और संवाद लेखन ,

इकाई .2रचनात्मक साहित्य और समीक्षा :

फ़िल्म समीक्षा ,

पुस्तक समीक्षा

खेल समीक्षा

अनुमोदित ग्रंथ:

1. साहित्य चिंतनरघुवंश -रचनात्मक आयाम :
2. रचनात्मक लेखन(.सं)रमेश गौतम -
3. कला की जरूरतआन्सर्ठ फिशर -, अनुरमेश उपाध्याय .
4. सृजनशीलता और सौंदर्यबोधरवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव -

सहायक अनुमोदित ग्रंथ

1. कविता रचनाकुमार विमल -प्रक्रिया-
2. कविता से साक्षात्कारमलयज -
3. कविता क्या हैविश्वनाथ प्रसाद तिवारी -
4. एक कवि की नोट बुकराजेश जोशी -
5. उपन्यास की रचनागोपाल राय -
6. उपन्यास सृजन की समस्याएँशमशेर सिंह नरूला -
7. हिन्दी कहानी का शैली विज्ञानबैकुंठनाथ ठाकुर -
8. रेडियो लेखनमधुकर गंगाधर -
9. पत्रकारी लेखन के आयाममनोहर - प्रभाकर
10. सर्जक का मननंदकिशोर आचार्य -
11. शब्दरामलखन शुक्ल -शक्ति विवेचन-
12. राइटिंग क्रिएटिव फिक्शनकीटिंग .एफ .आर .एच -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक 14 से 13चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रमअस्मितामूलक -3.B : विमर्श और हिंदी साहित्य **क्रेडिट6-:**

Course Objective:

- अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes:

- अस्मितामुलक विमर्श का ज्ञान
- विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना
- प्रमुख कृतियों का परिचय

इकाई 1:

इकाई - 1 : विमर्श की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और आंबेडकर

ख) स्त्री विमर्श_ : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

दलित स्त्रीवादपितृसत्ता ,लिंगभेद ,

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

इकाई 2:

विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम

(2)हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167

(3) ब्रजमोहन – क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या : 44-57

(4) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

इकाई 3:

विमर्शमूलक कविता

क) दलित कविता :

(1) हीराडोम (अछूत की शिकायत)

(2) मलखान सिंह (सुनो ब्राह्मण)

(3) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(4) असंगघोष (मैं ढूंगा माकूल जवाब)

ख) स्त्री कविता :

(1)अनामिका (स्त्रियाँ)

(2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो)

(3) कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चंपा)

(4) सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)

इकाई 4:

विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

1 . प्रभा खेतान, पृष्ठ संख्या 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3महादेवी . वमा_ : स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

4. श्योराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कन्धों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. अम्बेडकर रचनावली - भाग-1
2. मूक नायक, बहिष्कृत भारत - आंबेडकर (अनुवादक श्योराज सिंह 'बेचैन')
3. गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले

4. ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत - डॉ नामदेव
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिम्बाले
7. दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय
8. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'
9. अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू
10. नारी उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा
11. उपिनवेश में स्त्री - प्रभा खेतान
12. औरत होने की सजा - अरविन्द जैन
13. नारीवादी राजनीति –जिनी निवेदिता
14. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह
15. स्त्री स्वरअतीत और वर्तमान : - डॉ नीलम, डॉ नामदेव
16. आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता
17. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्योराज सिंह बेचैन (.सं)

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

.1दलित दस्तक

.2सम्यक भारत

.3अंबेडकर इन इंडिया

.4बहुरी नहीं आवना

.5नेशनल दस्तक(वेब लिंक)

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

-सप्ताह 6 से 4 इकाई2-

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

B.3 हिंदी रंगमच **6 :क्रेडिट**

CourseObjective:

- रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान
- हिंदी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes:

- रंगमंच के विकास के साथसाथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी-
- प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि के अवगत हो पायेंगे
- पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी
- भारतबोध होगा

इकाई1 .

- पारंपरिक रंगमंच

रामलीलामाच ,ख्याल ,सांग ,अंकिया ,पांडवानी ,बिढेसिया ,नौठंकी ,रासलीला ,

- प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परंपरा और आधुनिक रंगमंच

इकाई-2.

हिंदी रंगमंच की विकासयात्रा-

- हिंदी रंगमंच भारतेंदु ,पारसी थिएटर :युगीन रंगमंचपृथ्वी ,माधव प्रसाद शुक्ल्युगीन रंगमंच , थिएटर
- रंग ,भारत भवन ,रंगमंडल ,राष्ट्रीय नाठ्य विद्यालय ,प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ-रंग :समस्याएँ- भारतेंदु नाठ्य अकादमी ,भोपाल

इकाई-3.

- आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँलोक शैली ,यथार्थवादी ,शैलीबद्ध ,

इकाई-4.

- प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि ,सत्यदेव ,श्यामानंद जालान ,राधेश्याम कथावाचक : इब्राहीम अल्काजी

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. परंपराशील नाट्यजगदीशचंद्र माथुर -
2. मेरा नाठक कालराधेश्याम कथावाचक -
3. पारसी हिंदी रंगमंचलक्ष्मीनारायण लाल -
4. नात्यासम्राट पृथ्वीराज कपूरवल्लभ शास्त्री जानकी -

5. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंचलक्ष्मीनारायण लाल -
6. पहला रंगदेवेन्द्र राज अंकुर -
7. भिखारी ठाकुरभगवत प्रसाद द्विवेदी -भोजपुरी के भारतेंदु :
8. नाटक और रंगमंच(श्याम)सीताराम झा -
9. अंकिया नाट (.सं)विरंचीकुमार बरुआ -
10. असमिया साहित्य चानैकीहेम -चन्द्र गोस्वामी

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

1. कंटेम्पररी इंडियन थिएटरसंगीत नाटक अकादमी ,इंटरव्यू विद प्लेरायटर्स :
2. पंडवानी महाभारत की एक लोकनाट्य शैलीनिरंजन महावर -
3. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचामहावीर अग्रवाल -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

.C हिन्दी सामान्य (generic)ऐच्छिक(hgec) क्रेडिट 6-:

.1साहित्य और सिनेमा

.2सृजनात्मक लेखन

.3सोशल मीडिया और हिन्दी

.4पटकथा और संवाद लेखन

.1.Cसाहित्य और सिनेमा

पाठ्यक्रम **साहित्य और सिनेमा -:** **क्रेडिट 6-:**

:Course Objective

- हिन्दी सिनेमा जगत की जानकारी
- साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंधों की जानकारी
- साहित्य के माध्यम से सिनेमा का निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबन्धित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी साहित्य, सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
- सिनेमा निर्माण, प्रसार और कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

इकाई .1सिनेमा सामान्य परिचय :

१ सिनेमा की इतिहास यात्रा ,सिनेमा जनमाध्यम के रूप में .

सिनेमा की भाषा .२

सिनेमा के प्रकार .3

इकाई .2सिनेमा अध्ययन

सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ .१

सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीठमेंठ .२

हिंदी सिनेमा का .3राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार

इकाई .3सिनेमा समीक्षा :

सिनेमा समीक्षा के विविध पहलु .१

सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र .२

इकाई .4सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक :

संगीत और नृत्य ,संवाद ,अभिनय ,पटकथा .१

साउंड ,लाइट ,कैमरा .२

अनुमोदित ग्रंथ:

1. बॉलीवुडमिहिर बोस -हिस्ट्री ए :
2. रामचंद्रन .एम .टी -इयर्स ऑफ इंडियन सिनेमा 70
3. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. विश्व सिनेमा में श्रीविजय शर्मा -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

3 से 1सप्ताह1-इकाई -

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम.2 .C-: सृजनात्मक लेखन क्रेडिट 6-:

इकाई .1रचनात्मकता की अवधारणा

तत्व ,विविध रूप ,रचनात्मकता का अभिप्राय(१)

)२ रचनात्मकता को प्रभावित करने वाले कारक (

इकाई .2रचनात्मकता और भाषा :

)१भाषिक अभिव्यक्ति की शैलियाँ ,भाषा का सौन्दर्य ,भाषा की रचनात्मकता (

इकाई .3रचनात्मकता के विविध रूप

दृश्य लेखन और संवाद ,रेडियो वार्ता और नाटक ,स्तम्भ लेखन ,फीचर लेखन ,साक्षात्कार लेखन

इकाई रचनात्म .4क साहित्य और समीक्षा :

)१ खेल समीक्षा ,पुस्तक समीक्षा ,फ़िल्म समीक्षा (

पाठ्यक्रम.3 .C-: सोशल मीडिया और हिंदी क्रेडिट 6-:

Course Objective:

- सोशल मीडिया का विकास के साथसाथ भाषा-, समाज और संस्कृति की जानकारी
- सोशल मीडिया की आचारसंहिता-
- सोशल मीडिया के विभिन्न प्रभाव
- सोशल मीडिया पर हिन्दी भाषा का प्रभाव

Course Learning Outcomes:

- बाज़ार, भाषा, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी

इकाई .1सोशल मीडिया का विकास एवं स्वरूप

संचार का बढ़लता स्वरूप और सोशल मिडिया (१)

)१डिजिठल साक्षरता इन्ठरनेठ (

डिजिठल अनुभव (ऑनलाइन ऐप ,साइबर स्पेस ,मोबाइल)

इकाई .2सोशल मीडिया तकनीक और एप्लीकेशन :

)१ एनालॉग और डिजिठल माध्यम (

)१ मिडिया का डिजिठल रूपांतरण (

)3 मिडिया कन्वर्जेन्स (

इकाई .3सोशल मिडिया के प्रकार

स्काइप ,यूठ्यूब ,ब्लॉगर ,व्हाट्सएप ,ट्विठर ,फेसबुक

इकाई .4सोशल मिडिया का प्रभाव :

)१ (इन्ठरनेठऑनलाइन एक्टिविज़्म/

)१ साइबर क्राइम ,सिठीजन जर्नलिस्म (

)3लोकतंत्रीकरण एवं डिजिठल डिवाइस (

अनुमोदित ग्रंथ:

1. सोशल नेठवर्किंग(सं)संजय द्विवेदी -नए समय का संवाद :

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. सोशल मीडिया और स्त्रीरमा -
2. वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेटजगदीश्व -र चतुर्वेदी
3. क्लास रिपोर्टरजयप्रकाश त्रिपाठी -
4. सीढ़ियाँ चढ़ता मीडियामाधव हाड़ा -
5. पत्रकारिता से मीडिया तकमनोज कुमार -
6. नए जमाने की पत्रकारितासौरभ शुक्ला -
7. कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोगविजय कुमार मल्होत्रा -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, समूहपरिचर्चा-

3 से 1सप्ताह1-इकाई -

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

ठेस्ठ, असाइनमेंठ

4.C

पाठ्यक्रम पठकथा तथा संवाद लेखन. -: क्रेडिठ 6-:

Course Objective:

- विद्यार्थी को पठकथा लेखन की तकनीक को समझाना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पठकथा में रूपान्तरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes:

- पठकथा क्या हैसमझेंगे। !
- पठकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे।
- कहानी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पठकथा में रूपांतरित करना सिखेंगे।

- भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

इकाई .1पटकथा की अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई .2सम्वाद सैद्धांतिकी और संरचना

इकाई .3पटकथा

फीचर फ़िल्मटीवी धारावा ,ाहिक कहानी एवं डाक्यूमेंट्री ,

इकाई .4संवादलेखन-

फीचर फ़िल्मटीवी धारावा ,ाहिक कहानी एवं डाक्यूमेंट्री ,

अनुमोदित ग्रंथ:

1. पटकथा लेखन मनोहर -श्याम जोशी
2. कथामनू भण्डारी -पटकथा-
3. रेडियो लेखनमधुकर गंगाधर -
4. टेलीविजन लेखनअसगर वजाहत -, प्रभात रंजन

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1. कक्षाओं में पठनपाठन की पद्धति-
2. कक्षा में प्रस्तुतियाँ
3. व्यावहारिक कार्य और परिचर्चा

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

.Dहिन्दी कौशल (HSEC)संवर्धन ऐच्छिक- क्रेडिट 2-:

अनुवाद और हिन्दी साहित्य. .1.D

2.Dकम्प्यूटर अनुप्रयोग

3.D विज्ञापन और समाचार लेखन

4.D कार्यालयी हिन्दी

1.Dअनुवाद और हिन्दी साहित्य **क्रेडिट 6-:**

Course Objective:

- अनुवाद की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी
- विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes:

- अनुवाद की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी
- विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
- प्रयोगात्मक कार्य

इकाई .1अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि :

अनुवाद शब्द की व्युत्पति एवं अर्थ इतिहास,
विविध परिभाषाएं अनुवाद का स्वरूप ,
अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई .2अनुवाद प्रकार और शैलियाँ :

.1 माध्यम के आधार पर

.2 प्रक्रिया के आधार पर

.3 पाठ के आधार पर

अंतरभाषिक अनुवाद शाब्दिक , आशु अनुवाद, पाठ अनुवाद, भाषिक अनुवाद:अंत, भ,अनुवाद ावानुवाद

अनुमोदित ग्रंथ-:

.1 अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा डॉ सुरेश कुमार.

2.अनुवाद के भाषिक पक्ष विभा गुप्ता

.3 अनुवाद महेंद्र नाथ दुबे.कार्यदक्षता डॉ-

.4 अनुवाद क्या हैं संपादन राजमल बोरा.डॉ/राजूरकर.ह.भ.डॉ:

.5 प्रयोजन मूलक हिन्दी — ढंगल झाल्टे

.6 अनुवाद और रचना का उतर जीवन- — डॉ रमण सिन्हा.

.7अनुवाद मूल्य और मूल्याङ्कन — शशि मुद्दिराज .प्रो

.8अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि : — भोलानाथ तिवारी

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग.गोपीनाथन जी -
2. अनुवाद विज्ञान -सिद्धान्त और अनुप्रयोग :नगेंद्र(.सं)
3. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखासुरेश कुमार -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

D.2 कंप्यूटर और हिंदी भाषा **क्रेडिट4:**

Course Objective

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरम्भ में ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर सम्बन्धी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। पूरी दुनिया ने वैश्वीकृत युग में प्रवेश कर लिया है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाजारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलुओं से अवगत करा सकेगा।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढने-:पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे-

- विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने सिखाने की-प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- हिंदी के विभिन्न फॉण्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा।
- हिंदी भाषा में इन्टरनेट और वेबसाइट्स का प्रयोग कर सकेगा।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैइससे सम्बंधित , परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं को जान पायेगा।
- ईकी हिंदी का प्रयोग कर पायेगा। .एस.एम.एस ,लर्निंग-ई ,गवर्नेंस-
- हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो जायेगा।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा।
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।-

इकाई :1-कंप्यूटर का विकास और हिंदी

कंप्यूटर का परिचय.1

.2कंप्यूटर में हिंदी आरम्भ

.3कंप्यूटर में हिंदी के विविध फॉण्ट

.4कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

इकाईहिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी :2-

.1इन्टरनेट पर हिंदी एवं इन्टरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी

.2यूनिकोडदेवनागरी लिपि और हिंदी भाषा ,

.3हिंदी और वेब डिजाइनिंग

.4हिंदी की विभिन्न वेबसाइट

इकाईकंप्यूटर और गवर्नेंस ,हिंदी भाषा :3-

.1राजभाषा हिंदी के प्रचारप्रसार में कंप्यूटर की भूमिका-

.2ईगवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग-

.3कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी शिक्षण और ईलर्निंग-

.4सरकारी और गैरमें प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा सरकारी संस्थाओं-

इकाईविविध पक्ष : हिंदी भाषा और कंप्यूटर :4-

.1इन्टरनेट पर हिंदी पत्रपत्रिकाएं-

.2एसकी हिंदी .एस.एम.

.3न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

.4हिंदी के विभिन्न कीबोर्ड-

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदीहरिमोहन -
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग विजय कुमार -मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिंदीहरिमोहन -
4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर संतोष गोयल -
5. कंप्यूटर के द्वारा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धांतके शर्मा .पी -
6. सोशल नेटवर्किंगसंजय द्विवेदी -नए समय का संवाद :
7. जनसंचार और मास कल्चरजगदीश्वर चतुर्वेदी -

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

1. मीडिया: भूमंडलीकरण और समाज(सं)संजय द्विवेदी -
2. नए जमाने की पत्रकारितासौरभ शुक्ल -
3. पत्रकारिता से मीडिया तकमनोज कुमार -
4. जनसंचार के सामाजिक सन्दर्भजवरीमल्ल पारख -

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

9 से 7सप्ताह3-इकाई -

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह सामूहिक चर्चा 14 से 13, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्याङ्कन के तरीके:

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर आधारित परियोजना कार्य
2. कंप्यूटर के विकास की ऐतिहासिक परम्परा और हिंदी का विश्लेषण।
3. कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फोंट्स का व्यावहारिक ज्ञान देना।
4. दृश्यश्रव्य माध्यमों के प्रभावी रूप द्वारा शिक्षण-
5. कक्षा में मौखिक और लिखित परीक्ष

पाठ्यक्रम3.D-: विज्ञापन और समाचार लेखन **क्रेडिट 6-:**

Course Objective:

- बाज़ार, विज्ञापन और वाणिज्य की जानकारी
- समाचार लेखन की जानकारी
- हिन्दी में विज्ञापन निर्माण, समाचार लेखन, प्रसार और प्रभाव का अध्ययनविश्लेषण-

Course Learning Outcomes:

- विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययनविश्लेषण का अवसर मिलेगा।-
- निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना।
- समाचार तथा विज्ञापन लेखन जैसे क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता।

इकाई .1विज्ञापन अवधारणा स्वरूप एवं :

विज्ञाप ,परिभाषा और सामान्य परिचय ,अर्थ : विज्ञापनन के माध्यम ,विज्ञापन की भाषा ,
विज्ञापन का महत्त्व

इकाई .2समाचार लेखन

के डिजिठल मिडिया ,रेडियो के लिए समाचार लेखन ,प्रिंठ माध्यमों के लिए समाचार लेखन .१ .लिए समाचार लेखन

अनुमोदित ग्रंथ:

1. जनसम्पर्क, प्रचार व विज्ञापनविजय कुलश्रेष्ठ -

2. जनसंचार माध्यमसुधीश पचौरी -भाषा और साहित्य :
3. डिजिटल युग में विज्ञापनसुधा सिंह -, जगदीश्वर चतुर्वेदी

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. ब्रेक के बाद्सुधीश पचौरी -
2. मीडिया की भाषावसुधा गाडगिल -
3. विज्ञापन की दुनियाकुमुद शर्मा -
4. विज्ञापन डॉट कॉमरेखा सेठी -
5. www.adbrands.net
6. www.afaqs.com
7. www.adgully.com
8. www.cnbc.com
9. www.exchange4media.com

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, विज्ञापनों के लिए जनसंचार माध्यमों का प्रयोग

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

सप्ताह 14 से 13सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

टेस्ट, असाइनमेंट

पाठ्यक्रम4D : कार्यालयी हिन्दी **क्रेडिट 6-:**

Course Objective:

- कार्यालयी शब्दावलीपत्र लेखन का ज्ञान कराना/वाक्य/
- कार्यालयी शब्दावली/वाक्य पत्र लेखन हिन्दी से अंग्रेज़ी तथा अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद का/ अभ्यास कराना

- कार्यालयी मसौदे और पत्राचार का औपचारिक ज्ञान

Course Learning Outcomes:

- कार्यालयी भाषा की सैद्धान्तिक व व्यावहारिक जानकारी होगी।
- हिन्दी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्रों की मांग का अनुमान कर सकेंगे

इकाई .1कार्यालयी हिंदीउद्देश्य अभिप्राय तथा -

:कार्यालयी हिंदी के प्रयोग क्षेत्र ,सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी में सम्बन्ध और अंतर ,अर्द्ध सरकारी ,राजकीयसार्वजनिक उपक्रम

इकाई .2कार्यालयी हिंदी प्रकार एवं पत्राचार :

परिपत्र ,ज्ञापन ,विज्ञप्ति-प्रेस ,अधिसूचना ,संक्षेपण ,पल्लवन ,प्रारूप लेखन ,टिप्पण .१ प्रशासनिक पत्रावली .2

अनुमोदित ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दीढंगल झ .डॉ -सिद्धान्त और प्रयोग :ाल्ठे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दीमाधव सोनटक्के -
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिकाकैलाशनाथ पांडे -
4. प्रारूपण, शासकीय प्रचार और टिप्पण लेखन विधिराजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव -
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दीकृष्ण कुमार गोस्वामी -
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम -डॉमहेन्द्र सिंह राणा .

सहायक अनुमोदित ग्रंथ:

1. अतिरिक्त स्त्रोतनेट -
2. http://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/saralshabdavali.pdf

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

1. कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययनअध्यापन-
2. समूह परिचर्चायें

3. कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1-इकाई -सप्ताह 3 से 1

2-इकाई -सप्ताह 6 से 4

3-इकाई -सप्ताह 9 से 7

4-इकाई -सप्ताह 12 से 10

14 से 13 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

मूल्यांकन के तरीके

प्रोजेक्ट के रूप में कार्यालयी शब्दावलीपत्र का हिन्दी से अँग्रेजी तथा अँग्रेजी से हिन्दी में /वाक्य / अनुवाद का अभ्यास कराया जाये।

कार्यालयी पत्राचार का औपचारिक अभ्यास कराया जाये।

हिन्दी .Eव्यवसायिक (VC) पाठ्यक्रम- क्रेडिट 2-:

1-E कम्प्यूटर अनुप्रयोग

.1E कंप्यूटर अनुप्रयोग और हिंदी

इकाई :1-कंप्यूटर का विकास और हिंदी

कंप्यूटर का परिचय.1

.2कंप्यूटर और हिंदी

इकाईहिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी :2-

.1इन्टरनेट पर हिंदी एवं इन्टरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी

हिंदी और वेब डिजाइनिंग.2

इकाईकंप्यूटर और गवर्नेंस ,हिंदी भाषा :3-

.1राजभाषा हिंदी के प्रचारकंप्यूटर की भूमिका प्रसार में-

.2कम्प्यूटर के माध्यम से हिंदी सेवा : विविध क्षेत्र :ई सरकारी संस्थाएं ,लर्निंग-ई ,गवर्नेंस-

इकाईविविध पक्ष : हिंदी भाषा और कंप्यूटर :4-

.1इन्टरनेट पर हिंदी पत्रपत्रिकाएं-

न्यू मीडिया और हिंदी भाषा .2

अनुमोदित ग्रन्थ:

8. आधुनिक जनसंचार और हिंदीहरिमोहन -
9. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोगविजय कुमार मल्होत्रा -
10. कंप्यूटर और हिंदीहरिमोहन -
11. हिंदी भाषा और कंप्यूटर संतोष गोयल -
12. कंप्यूटर के द्वारा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धांतके शर्मा .पी -
13. सोशल नेटवर्किंगनए समय का संव :ाद्संजय द्विवेदी -
14. जनसंचार और मास कल्चरजगदीश्वर चतुर्वेदी -

सहायक अनुमोदित ग्रन्थ:

5. मीडिया(सं)संजय द्विवेदी -भूमंडलीकरण और समाज :

6. नए जमाने की पत्रकारितासौरभ शुक्ल -
7. पत्रकारिता से मीडिया तकमनोज कुमार -
8. जनसंचार के सामाजिक सन्दर्भजवरीमल्ल पारख -

MIL (Hindi) Comm.

हिंदी भाषा और सम्प्रेषण स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रम)

(कॉम ऑनर्स और प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए.बी / .सी.एस.बी / .ए.बी :

इकाई -1 भाषिक सम्प्रेषण स्वरूप और सिद्धांत :

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- विभिन्न मॉडल
- संप्रेषण की चुनौतियाँ

इकाई -2 : संप्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक और सामाजिक
- व्यावसायिक
- भ्रामक संप्रेषण (Miss Communication)
- संप्रेषणबाधाएँऔरउनकीनीति

इकाई -3 संप्रेषण के माध्यम

- एकालाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा
- प्रभावी संप्रेषण

इकाई -4 :पढ़ना और समझना

- गहन अध्ययन
- अध्याहार सार और अन्वय
- विश्लेषण और व्याख्या
- अनुवाद

<u>सहायक ग्रंथ</u>

- हिंदी का सामाजिक संदर्भ - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण परक व्याकरण सिद्धांत और स्वरूप - सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग - बी. आर.जगन्नाथ
- कुछ पूर्वाग्रह - अशोक वाजपेयी
- भाषाईअस्मिताऔरहिंदी -रवींद्रनाथश्रीवास्तव
- रचनाकासरोकार- विश्वनाथप्रसादतिवारी
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (CBCS)

हिंदी साहित्य (सामान्य) स्नातक पाठ्यक्रम

B.A. (Pass) Courses for Hindi Literature

नागालैंड विश्वविद्यालय

Nagaland University

2019

Introduction:

Content: हिंदी (सामान्य) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को संवेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक संवेदन प्रदान करता है। ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व ko सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सकें। साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस सन्दर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीँ कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है।

Learning Outcome based approach to curriculum planning

- Aims of Bachelor's degree programme in(CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी पढ़ाने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है। आज हम भूमंडलीकृत समाज के सदस्य हैं। अतः पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा। हिंदी साहित्य की नयी समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल संबंधों की पहचान कराना भी है, जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल-लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके।

Graduate Attributes in Subject

- Disciplinary Knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषा विज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा।

Graduate Attributes in Subject

- Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Critical Thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा।

Graduate Attributes in Subject

- Problem Solving

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। साहित्यिक कृतियों में उपस्थित संभावनाओं के माध्यम से जीवन से सम्बंधित समस्याओं का हल निकालने से सहायता मिलती है।

Graduate Attributes in Subject

- Research related Skills

Content: भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृतिपरक अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में शोध सम्बन्धी क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Reflective Thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है।

Graduate Attributes in Subject

- Moral and Ethical Awareness/Reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है।

Graduate Attributes in Subject

- Multicultural Competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in Course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढने-पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे:-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
3. साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।
4. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।
5. साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके।
6. साहित्यिक विवेक का निर्माण।

Teaching Learning Progress

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है। छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढ़ंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके। इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
4. साहित्यिकता की समझ देना
5. प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
6. कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति
7. लिखित परीक्षा
8. आतंरिक मूल्याङ्कन
9. वाद-विवाद

10. कंप्यूठर का व्यावहारिक ज्ञान
11. दृश्य-श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
12. काव्य वाचन, पठन और आलोचनात्मक मूल्याङ्कन
13. कथा पाठ और वाचन में अंतर समझना
14. आलोचनात्मक मूल्याङ्कन पर बल

Assessment Methods

Content:

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्याङ्कन।
2. भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
3. विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्याङ्कन
4. पी.पी.टी.0 बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना। इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा।
5. भाव विश्लेषण के लिए विद्या आधारित प्रश्नोत्तरी का मूल्याङ्कन करना।
6. पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन।
7. समूह-परिचर्चा

PASS COURSE

HINDI AS COMPULSORY CORE AS PASS/GENERAL COURSE:

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
MIL1	MILHIN -1	कविता, कहानी, व्याकरण एवं रचना Poetry, Story, Grammar and Composition	6
MIL-2	MILHIN -2	गद्य, कविता, एकांकी एवं भाषा कौशल Prose, Poetry, One act Play and Language skills	6

CORE PAPERS (4 PAPERS FOR EACH DISCIPLINE): HINDI AS A DISCIPLINE

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
DSC- 1A	HIN/G/ DSC- 1A	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास Hindi Bhasha aur Sahitya ka Itihas	6
DSC- 1B	HIN/G/ DSC- 1B	हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल) Hindi Kaivta (Madhyakal aur Adhunik Kal)	6
DSC- 1C	HIN/G/ DSC- 1C	हिन्दी कथा साहित्य Hindi Katha Sahitya	6
DSC- 1D	HIN/G/ DSC- 1D	हिंदी गद्य विधाएँ Hindi Gadya Vidhayen	6

SKILL ENHANCEMENT COURSES (4 NOS) (2 CREDIT EACH) FOR PASS COURSE

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
SEC HIN-01	HIN/G/SEC-1	अनुवाद और हिन्दी साहित्य Anuvad aur Hindi Sahitya	2
SEC HIN-02	HIN/G/SEC-2	कम्प्यूटर अनुप्रयोग Computer Anuprayog	2
SEC HIN-03	HIN/G/SEC-3	विज्ञापन और समाचार लेखन Vigyapan aur Samachar Lekhan	2
SEC HIN-04	HIN/G/SEC-4	कार्यालयी हिन्दी Karyalayi Hindi	2

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (2NOS) (6 CREDIT EACH) FOR PASS COURSE

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
DSEHIN-1A	HIN/G/DSE-1A	सोशल मीडिया और हिन्दी Social Media aur Hindi	6
DSEHIN-1B	HIN/G/DSE-1B	पटकथा और संवाद लेखन Patkatha aur Samvad Lekhan	6

GENERIC ELECTIVE (2 NOS) (6 CREDIT EACH) FOR PASS COURSE

PAPER CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE PAPER	TOTAL CREDIT
GHIN-01	HIN/G/GE-01	साहित्य और सिनेमा Sahitya aur Cinema	6
GHIN-02	HIN/G/GE-02	सृजनात्मक लेखन Srijnatmak Lekhan	6

सी. बी.सी.एस

(चयन – आधारित क्रेडिट पद्धति)

सेमेस्टर- 1
1.1 हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास(Core Course-1)
1.2 हिंदी योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम Language-MIL/English Comm.(AECC)
सेमेस्टर- 2
2.1 हिंदी कविता (माध्यकाल और आधुनिक काल) (Core Course-2)
2.2 आधुनिक भारतीय भाषा – (कविता, कहानी, व्याकरण एवं रचना) Language – MIL/English -1
सेमेस्टर–3
3.1हिंदी कथा साहित्य (Core Course-2)
3.2 हिंदी कौशल – संवर्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course; Any One) (ये पाठ बी.ए. ओनर्स के पाठ्यक्रम में मिल जायेंगे) विज्ञापन और समाचार लेखन Vigyapan aur Samachar Lekhan अथवा कार्यालयी हिन्दी Karyalayi Hindi
सेमेस्टर- 4
4.1 अन्य गद्य विधाएँ (Core Course-2)
4.2 आधुनिक भारतीय भाषा - (गद्य, कविता, एकांकी और भाषा कौशल) Language – MIL/English -2
4.3 हिंदी कौशल – संवर्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course; Any One) (नोट : ये पाठ बी.ए. ओनर्स के पाठ्यक्रम में मिल जायेंगे) अनुवाद और हिन्दी साहित्य Anuvad aur Hindi Sahitya अथवा कम्प्यूटर अनुप्रयोग Computer Anuprayog

सेमेस्टर-5
5.1 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-1) (ये पाठ बी.ए. ओनर्स के पाठ्यक्रम में मिल जाएगा) सोशल मीडिया और हिन्दी Social Media aur Hindi
5.2 सामान्य(जेनरिक) ऐच्छिकपाठ्यक्रम(Generic Elective) (नोट : ये पाठ बी.ए. ओनर्स के पाठ्यक्रम में मिल जाएगा) साहित्य और सिनेमा Sahitya aur Cinema
सेमेस्टर- 6
6.1 विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-1) (ये पाठ बी.ए. ओनर्स के पाठ्यक्रम में मिल जायेंगे) पटकथा और संवाद लेखन Patkatha aur Samvad Lekhan
6.2 सामान्य(जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम(Generic Elective) (नोट : ये पाठ बी.ए. ओनर्स के पाठ्यक्रम में मिल जाएगा) सृजनात्मक लेखन Srijnatmak Lekhan

(कोर/अनिवार्य प्रश्नपत्र)

सेमेस्टर -1

1.1 हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

इकाई -1: आदिकाल

- हिंदी भाषा का विकास: सामान्य परिचय
- आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण
- आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई -2: भक्तिकाल

- भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई -3: रीतिकाल

- रीतिकाल: नामकरण
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों

इकाई -4: आधुनिककाल

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप

सहायक ग्रंथ

- हिंदी भाषा- धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी

- हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेंद्र
- आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ- अनिल राय
- हिंदी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सेमेस्टर -2

2.1 हिंदी कविता मध्यकाल और आधुनिक काल

इकाई - 1 : कबीर - ग्रंथावली ; माता प्रसाद गुप्त ; लोकभारती, 1969 ई.

कबीर- साँच कौ अंग (1) भेष कौ अंग (5 , 9 , 12) संग्रथाई की अंग (12)

सूरदास- सूरसागर- सार , संपा . डॉ . धीरेंद्र वर्मा , साहित्य भवन , 1990 ई .

गोकुल लीला- पद संख्या 20 , 26 , 27,60

गोस्वामी तुलसीदास- तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खंड) ; संपा . आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा , काशी)

दोहावली- छंद संख्या - 277 , 355 , 401 , 412 , 490

इकाई -2 : बिहारी- रीतिकाव्य संग्रह, जगदीश गुप्त, ग्रंथम, कानपुर, 1983 ई.

छंद संख्या- 9, 13, 18, 21, 58, 66, 67

घनानंद- रीतिकाव्य संग्रह ; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद; प्रथम संस्करण; 1961 ई. **छंद संख्या**- 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई -3 : मैथिलीशरण गुप्त- रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खंड साहित्य सदन, झाँसी)

छंद संख्या- 123 से 128

जयशंकर प्रसाद- बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाश, 2000)

हिमालय के आगन में (स्कन्दगुप्त भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1973 ई.)

इकाई -4 : हरिवंश राय 'बच्चन'- जो बीत गयी (हरिवंश राय बच्चन: प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल पेपर बैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

नागार्जुन- उनको प्रणाम (नागार्जुन: प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल पेपर बैक्स, 2009)

भवानीप्रसाद मिश्र- गीत-फरोश (दूसरा सप्तक , भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन ; द्वितीय संस्करण- 1970 ई.)

<u>सहायक ग्रंथ</u>

- कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- तुलसी काव्य मीमांसा- उदयभानु सिंह
- बिहारी की वाग्विभूति- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- सूरदास- ब्रजेश्वर शर्मा
- सूरदास- रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास- रामचंद्र शुक्ल
- घनानंद और काव्यधारा- मनोहर लाल
- सनेह को मारग- इमरै बंधा
- मैथिलीशरण गुप्त: व्यक्ति और काव्य- कमलकांत पाठक
- प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण- रामधारी सिंह दिनकर
- प्रसाद का काव्य- प्रेम शंकर
- जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी
- हरिवंशराय बच्चन- संपा. पुष्पा भारती
- आधुनिक हिंदी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

सेमेस्टर - 3

3.1 हिंदी कथा साहित्य

इकाई- 1: उपन्यास: स्वरूप और संरचना

इकाई -2: उपन्यास: गबन प्रेमचंद

इकाई -3 कहानी: स्वरूप और संरचना

इकाई -4 : कहानी : परदा यशपाल

रोज- अज्ञेय, दिल्ली में एक मौत- कमलेश्वर

दाज्यू- शेखर जोशी, हरी बिंदी- मृदुला गर्ग

सहायक ग्रंथ

- प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा
- हिन्दी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा- रामदरश मिश्र
- एक दुनिया समानान्तर- राजेन्द्र यादव
- कहानी: नई कहानी- नामवर सिंह
- नई कहानी की भूमिका- कमलेश्वर
- हिंदी कहानी: अंतरंग पहचान- रामदरश मिश्र
- हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया- परमानंद श्रीवास्तव
- नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति- देवीशंकर अवस्थी
- साहित्य से संवाद : गोपेश्वर सिंह
- कुछ कहानियाँ कुछ विचार- विश्वनाथ त्रिपाठी

सेमेस्टर -4

4.1 अन्य गद्य विधाएं

इकाई- 1

- शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लार्ड कर्जन- बालमुकुंद गुप्त
- साहित्य का उद्देश्य- प्रेमचंद

इकाई -2

- भक्तिन : संस्मरण- महादेवी वर्मा
- अदम्य जीवन- रांगेय राघव

इकाई -3

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) विष्णु प्रभाकर
- शायद एकांकी- मोहन राकेश

इकाई -4

- उखड़े खंभे- हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)
- लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गाँव' से)- विश्वनाथ त्रिपाठी

सहायक ग्रंथ

- हिंदी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी
- गद्यकार जानकी वल्लभ शास्त्री- पाल भसीन
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी गद्य का विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
- निबंधों की दुनिया- विजयदेवनारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा
- निबंधों की दुनिया- शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम Language-MIL/English Comm.(AECC)

MIL (Hindi) Comm.

हिंदी भाषा और सम्प्रेषण (स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रम : बी.ए. / बी.एस.सी. / बी.कॉम ऑनर्स और प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए)

इकाई -1 भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- विभिन्न मॉडल
- संप्रेषण की चुनौतियाँ

इकाई -2 : संप्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक और सामाजिक
- व्यावसायिक
- भ्रामक संप्रेषण (Miss Communication)
- संप्रेषणबाधाएँऔररणनीति

इकाई -3 संप्रेषण के माध्यम

- एकालाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा
- प्रभावी संप्रेषण

इकाई -4 :पढ़ना और समझना

- गहन अध्ययन

- अध्याहार सार और अन्वय
- विश्लेषण और व्याख्या
- अनुवाद

<u>सहायक ग्रंथ</u>

- हिंदी का सामाजिक संदर्भ - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण परक व्याकरण सिद्धांत और स्वरूप - सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग - बी. आर.जगन्नाथ
- कुछ पूर्वाग्रह - अशोक वाजपेयी
- भाषाईअस्मिताऔरहिंदी -रवींद्रनाथश्रीवास्तव
- रचनाकासरोकार- विश्वनाथप्रसादतिवारी
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

(आधुनिक भारतीय भाषा-MIL)

आधुनिक भारतीय भाषा (हिंदी) 201 बी.ए./बी.कॉम पेपर- 1

(कविता, कहानी, व्याकरण एवं रचना)

सत्र-2

उद्देश्य/ध्येय : अखिल भारतीय स्तर पर शिक्षा में समानता लाने और ज्ञान हस्तांतरण को सक्षम बनाने के उद्देश्य से, नागालैंड विश्वविद्यालय ने जुलाई 2012 से शुरू होने वाले सेमेस्टर प्रक्रिया के लिए नया हिंदी पाठ्यक्रम तैयार किया है। शिक्षा और ज्ञान के बढ़ते परिदृश्य को ध्यान में रखा गया है। शिक्षक को उस युग की प्रवृत्तियों और विशेषताओं की एक रूपरेखा तैयार करनी चाहिए जिस सामाजिक परिवेश में लेखन कार्य किया गया था और कवियों, निबंधकारों, कहानी-लेखकों, एकांकी लेखकों के जीवन से सम्बंधित विस्तृत खाका भी तैयार करना चाहिए। उन्हें पाठों को सरल भाषा में भी स्पष्ट करना चाहिए।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

वर्णनात्मक और वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं- 70 अंक

इकाई 1: कविता- 14 अंक : 1 प्रश्न/व्याख्या (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क.	कबीर	-	साखी
ख.	जायसी	-	नागमती वियोग खंड
ग.	सूरदास	-	भ्रमर गीत (पद संख्या 8, 9, 10, 11)
घ.	तुलसीदास	-	विनय पत्रिका (पद संख्या 2,3,4)

इकाई 2: कविता - 14 अंक : 1 प्रश्न/व्याख्या (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क.	गीत फ़रोश	-	भवानी प्रसाद मिश्र
ख.	बकरी	-	सर्वेश्वर

इकाई 3: लघु कथा - 14 अंक : 1 प्रश्न (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क.	अपना अपना भाग्य	-	जैनेन्द्र
ख.	हार की जीत	-	सुदर्शन

इकाई 4: निबंध - 14 अंक : 1 प्रश्न (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क. क्रोध - रामचंद्र शुक्ल

ख. भोला राम का जीव - हरिशंकर परसाई

इकाई 5: व्याकरण और रचना:

क. संक्षेपण (सटीक लेखन) : 9 अंक; पर्यायवाची, विलोम, उपसर्ग, प्रत्यय और कहावत/मुहावरे

सन्दर्भ पुस्तकें:

क. आधुनिक निबंध संग्रह - सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

ख. हिंदी काव्य संग्रह - रामवीर सिंह, हेमा उप्रेती, मीरा सरीन, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा

ग. आधुनिक कहानी संग्रह - सरोजिनी शर्मा, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

घ. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वी. एन. प्रसाद

ङ. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – डॉ. गुलाब राय

च. हमारे कवि और लेखक - डॉ. आर. पी. चतुर्वेदी एवं राकेश

आधुनिक भारतीय भाषा (हिंदी) 401 बी.ए./बी.कॉम पेपर- 2
(गद्य, कविता, एकांकी और भाषा कौशल)
सेमेस्टर- 4

उद्देश्य/ध्येय : अखिल भारतीय स्तर पर शिक्षा में समानता लाने और ज्ञान हस्तांतरण को सक्षम बनाने के उद्देश्य से, नागालैंड विश्वविद्यालय ने जुलाई 2012 से शुरू होने वाले सेमेस्टर प्रक्रिया के लिए नया हिंदी पाठ्यक्रम तैयार किया है। शिक्षा और ज्ञान के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखा गया है। शिक्षक को उस युग की प्रवृत्तियों और विशेषताओं की एक रूपरेखा तैयार करनी चाहिए जिस सामाजिक परिवेश में लेखन कार्य किया गया था और कवियों, निबंधकारों, कहानी-लेखकों, एकांकी लेखकों के जीवन से सम्बंधित विस्तृत खाका भी तैयार करना चाहिए। उन्हें पाठों को सरल भाषा में भी स्पष्ट करना चाहिए।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

वर्णनात्मक और वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं- 70 अंक

इकाई 1: गद्य - 14 अंक : 1 प्रश्न (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी

ख. छोठा जादूगर - जयशंकर प्रसाद

इकाई 2: गद्य - 14 अंक : 1 प्रश्न (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क. ठाकुर का कुआँ - प्रेमचंद

ख. परदा - यशपाल

इकाई 3: एकांकी - 14 अंक : 1 प्रश्न (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क. अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई 4: कविता - 14 अंक : 1 प्रश्न (9 अंक); 2/3 वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

क. तोड़ती पत्थर - निराला

ख. रामदास - रघुवीर सहाय

इकाई 5: भाषा कौशल : 14 अंक

क. स और अलंकार (अनुप्रास, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक आदि) 5 अंक

ख. पत्र लेखन : 9 अंक

i. संस्थान, आदि को आवेदन-पत्र

ii. सम्पादक को पत्र

iii. रिपोर्ट लेखन

सन्दर्भ पुस्तकें:

क. आधुनिक निबंध संग्रह - सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

ख. हिंदी काव्य संग्रह - केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

ग. आधुनिक एकांकी संग्रह - सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

घ. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ. जयनाथ 'नलिन'

ड. हमारे कवि और लेखक - डॉ. आर. पी. चतुर्वेदी एवं राकेश

च. सरल निबंध - श्याम चन्द्र कपूर

छ. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद